केंद्रीय विद्यालय संगठन, जयपुर संभाग
तृतीय पूर्व परिषदीय परीक्षा 2020-21
विषय- हिंदी केन्द्रिक (कोड सं.302)
कक्षा - 12

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

उत्तर संकेत व अंक योजना

	खंड – अ वस्तुपरक प्रश्न	
	अपठित गदयांश	
प्रश्न–1	उत्तर	10x1=10
i	ii-कार्य करने की लगन	1
ii	iv - काम में लीन होना	1
iii	ii-लाभ का ध्यान किए बिना कार्य करना	1
iv	iv- सभी |	1
v	iii-निस्वार्थ भाव से मेहनत करने की	1
vi	ii -प्रभु पर अटूट विश्वास रखते हुए बिना किसी भय ,चिंता या दु:ख के अपने काम करना	1
vii	iii-प्रसन्न रहने की	1
viii	ii-खुशियों को मुसीबतों के कारण खत्म करना	1
ix	iii-बिना स्वार्थ के	1
x	iii- सफलता	1
	अथवा	
i	ii उपन्यास	1
ii	ii डॉ.गोपाल राय ने	1
iii	III इसमे प्राकृतिक दृश्यों का चित्रण नहीं है	1
iv	IV खंड काव्य	1
v	i विस्तृत रूप से	1
vi	IV कर्मधारय समास	1
vii	i गोदान में ग्रामीण जीवन के सभी पहलुओ का चित्रण हुआ है	1
viii	ii गाय का दान	1
ix	III गोदान में शहर की चकाचौंध से विमुख मनुष्यता का चित्रण किया गया है	1
x	IV प्रेमचंद की	1
प्रश्न–2	उत्तर	5X1=5
i	ii बचपन की मधुर याद	1
ii	ii माँ काम छोड़कर कवयित्री को गोद में उठा लेती थी	1
iii	III बड़े –बड़े मोती से आँसू	1
iv	III मिट्टी	1
v	IV ये सभी	1
	अथवा	
i	i आँगन में	1
ii	III विजय –पताकाओ की	1

iii	i झरनों से	1
iv	III कवि के बोये हुए सेम के बीज अब छोटे पौधे बनकर बाहर आ गए थे	1
v	ii बिना पलक झपकाए एकटक देखना	1
	कार्यालयी हिन्दी और रचनात्मक लेखन	
प्रश्न–3	उत्तर	5X1=5
i	ख- उदंत मार्तंड	1
ii	क-प्रारम्भ में	1
iii	क- खास मुद्दे या विचारधारा के पक्ष में जनमत बनाने	1
iv	घ-नईं सूचनाएँ प्रदान करना।	1
v	ख- शोर	1
	पाठ्य -पुस्तक	
प्रश्न–4	उत्तर	5X1=5
i	ख-नव रस से भरा हुआ है	1
ii	घ-रंग और खुशबू	1
iii	घ-भाग्य का	1
iv	ख- दूसरों की बुराई करना	1
v	क-गांठ खोलना	1
प्रश्न–5	उत्तर	5X1=5
i	ख-देखने से	1
ii	क- जेब भरी हो, मन खाली हो	1
iIii	घ-समस्या बढ़ाने वाली होती है	1
iv	ग-चुंबक से	1
v	घ-जैनेन्द्र कुमार	1
	पूरक पाठ्य -पुस्तक	
प्रश्न-6	उत्तर	10x1=10
i	घ-उन्हें बदलाव पसंद	1
ii	घ- क्षय रोग से	1
iIii	घ- रिश्तेदारों, धर्म और समाज के प्रति नकारात्मक भाव	1
iv	ग- झगड़ालू	1
v	क- अशिक्षित होने के कारण	1
Vi	ग- वहाँ हथियारों और सेना के प्रमाण नहीं मिले	1
Vii	घ-जल निकासी व्यवस्था	1
Viii	ग- जल निकासी की उत्कृष्ट व्यवस्था,	1
Ix	क-भव्यता का आडंबर नहीं झलकता	1
x	ग- राजनैतिक स्थिति एवं युद्ध की विभीषिका का जीवंत वर्णन	1
	खंड – ख वर्णनात्मक प्रश्न कार्यालयी हिन्दी और रचनात्मक लेखन	**(अंक 20)**
प्रश्न-7	क-भूमिका 1 ख-विषय- वस्तु 3 ग- भाषा 1	**5**
प्रश्न-8	क-आरंभ और अंत की औपचारिकता 1 ख-विषय- वस्तु 3 ग- भाषा 1	**5**
प्रश्न 9	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए ।	**5**

i	कविता बनने के लिए निम्न बातें आवश्यक है । भावों से जुड़ी है ,कविता के लिए कोई नियम कानून नहीं है , कविता के लिए आंतरिक लय आवश्यक है । भाषा का सटीक प्रयोग करना । बिम्ब और छंद इंद्रियों को प्रभावित करने के लिए सहायक होते है ।	3
	अथवा	
	कथानक कहानी का केन्द्रीय बिन्दु होता है, यह कहानी का वह संक्षिप्त रूप है जिसमें प्रारम्भ से अंत तक की सभी घटनाओं का संक्षिप्त वर्णन होता है ।	
ii	नाटक को दृश्य काव्य भी कहा जाता है । अन्य विधाएँ केवल लिखित रूप में ही पूर्ण होती है लेकिन नाटक मंचन के स्तर तक जाता है । नाटक में कथानक , परिस्थितियाँ स्वत: ही स्पष्ट होता है। नाटक अभिव्यक्ति केन्द्रित एवं भाव प्रधान होता है ।	2
	अथवा	
	नाटक में से निम्न तत्व होते है ? भाषा कथ्य संवाद चरित्र-चित्रण शिल्प	
प्रश्न-10	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए ।	**5**
i	समाचार उलटा पिरामिड शैली में लिखे जाते हैं, यह समाचार लेखन की सबसे उपयोगी और लोकप्रिय शैली है। इस शैली का विकास अमेरिका में गृह युद्ध के दौरान हुआ। इसमें महत्त्वपूर्ण घटना का वर्णन पहले प्रस्तुत किया जाता है, उसके बाद महत्त्व की दृष्टि से घटते क्रम में घटनाओं को प्रस्तुत कर समाचार का अंत किया जाता है। समाचार में इंट्रो, बॉडी और समापन के क्रम में घटनाएँ प्रस्तुत की जाती हैं।	3
	अथवा	
	संपादक द्वारा किसी प्रमुख घटना या समस्या पर लिखे गए विचारात्मक लेख को, जिसे संबंधित समाचारपत्र की राय भी कहा जाता है, संपादकीय कहते हैं । संपादकीय किसी एक व्यक्ति का विचार या राय न होकर समग्र पत्र-समूह की राय होता है, इसलिए संपादकीय में संपादक अथवा लेखक का नाम नहीं लिखा जाता ।	
ii	सूचना देना शिक्षित करना मनोरंजन करना निगरानी करना एजेंडा तय करना विचार-विमर्श के लिए मंच उपलब्ध कराना	2
	अथवा	
	विशेष लेखन किसी खास विषय पर सामान्य लेखन से हट कर किया गया लेखन है; जिसमें राजनीतिक, आर्थिक, अपराध, खेल, फ़िल्म,कृषि, कानून, विज्ञान और अन्य किसी भी महत्त्वपूर्ण विषय से संबंधित विस्तृत सूचनाएँ प्रदान की जाती हैं ।	
	पाठ्य-पुस्तक	**(अंक 20)**
प्रश्न-11	निम्नलिखित प्रश्नों में से किंही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए ।	**6**
i	कैमरे में बंद अपाहिज करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है, क्योंकि इसमें जो बनावटी करुणा का वर्णन किया जगया है वह केवल दिखवा है उसके पीछे उनका उद्देश्य केवल TRP	3

	बढ़ाना है वे अपाहिज व्यक्ति के दुख को बढ़ा कर उसका लाभ उठाना चाहता है , स्वार्थी मानसिकता वाले है ।	
ii	तुलसीदास को अपने समाज की आर्थिक- सामाजिक समस्याओं को जानकारी थी| अपने समकालीन समाज का यथार्थ वर्णन किया है बेरोजगारी से भी त्रस्त है कहीं कोई काम धंधा नहीं है हर व्यक्ति रोजगार को लेकर चिंतित है आदि	3
iii	नयी कविता में कोष्ठक,विराम चिह्नों और पंक्तियों के बीच का स्थान भी कविता को अर्थ देता है यह नई कविता का विशेष गुण है । इस कविता में भी भोर के नभ में हल्की हल्की व्याप्त नमी के बिम्ब का सजीव वर्णन किया गया है यह कविता में अतिरिक्त जानकारी को बताता है पाठक को सोचने का अवसर प्रदान करता है ।	3
प्रश्न-12	निम्नलिखित प्रश्नों में से किंही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए ।	**4**
i	कविता के संदर्भ में ' बिन मुरझाए महकने' के माने है कि कविता का प्रभाव /असर कभी समाप्त नहीं होता सालों साल उसका असर हम पर रहता है जबकि फूल एक बार केएचएलने के बाद कुछ दिन बाद मुरझा जाते है ।	2
ii	कवि ने व्यक्तिगत संदर्भ में स्थिति को अमावस्या उस स्थिति को कहा जब वह उस तुम को पूरी तरह भूल जाना चाहता है		2
iii	रुबाईयों में आए निम्न बिंबों आए है । **<u>नहला के छलके-छलके निर्मल जल से"-</u>** इस प्रयोग द्वारा कवि ने बालक की निर्मलता एवं पवित्रता को जल की निर्मलता के माध्यम से अंकित किया है	छलकना शब्द जल की ताजा बूंदों का बालक के शरीर पर छलछलाने का सुंदर दृश्य बिंब प्रस्तुत करता है | **<u>घुटनियों में लेके है पिन्हाती कपड़े'</u>**- इस प्रयोग में माँ की बच्चे के प्रति सावधानी ,चंचल बच्चे को चोट पहुँचाए बिना उसे कपड़े पहनाने से माँ के मातृत्व की कुशलता बिंबितहोती है | **<u>किस प्यार से देखता है बच्चा मुँह को"-</u>** पंक्ति में माँ –बच्चे का वात्सल्य बिंबित हुआ है	माँ से प्यार –दुलार ,स्पर्श –सुख, नहलाए जाने के आनंद को अनुभव करते हुए बच्चा माँ को प्यार भरी नजरों से देख कर उस सुख की अभिव्यक्ति कर रहा है |यह सूक्ष्म भाव अत्यंत मनोरम बन पड़ा है |संपूर्ण रुबाई में दृश्य बिंब है|	2
प्रश्न-13	निम्नलिखित प्रश्नों में से किंही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए ।	**6**
i	गंगा भारतीय समाज में **सबसे पूज्य सदानीरा नदी** है। जिसका भारतीय इतिहास में **धार्मिक, पौराणिक और सांस्कृतिक महत्व** है	वह भारतीयों के लिए केवल एक नदी नहीं अपितु माँ है, स्वर्ग की सीढ़ी है, मोक्षदायिनी है। उसमें पानी नहीं अपितु अमृत तुल्य जल बहता है। भारतीय संस्कृति में नदियों के किनारे **मानव सभ्यताएँ फली-फूली हैं	बड़े-बड़े नगर, तीर्थस्थान नदियों के किनारे** ही स्थित हैं ऐसे परिवेश मेंभारतवासी सबसे पहले गंगा मैया की जय ही बोलेंगे। नदियाँ हमारे जीवन का आधार हैं, हमारा देश कृषि प्रधान है।	3
ii	लेखक के अनुसार धन रूपी बादल खूब वर्षा करते हैं| देश में साधनों की भी कमी नहीं है| किन्तु भ्रष्टाचार के कारण आम जनता तक साधन ओर सहायता राशि नहीं पहुँचती	और गरीब व्यक्ति अभावों में ही जीवन व्यतीत करता है		3
iii	भले ही राजनीतिक और धार्मिक आधार पर भारत और पाकिस्तान को भौगोलिक रूप से विभाजित कर दिया गया हैलेकिन दोनों देशों के लोगों के हृदय में आज भी पारस्परिक भाईचारा, सौहार्द्र, स्नेह और सहानुभूति विद्यमान है| राजनीतिक तौर पर भले ही संबंध तनावपूर्ण हों पर सामाजिक तौर पर आज भी जनता के बीच मुहब्बत का नमकीन स्वाद घुला हुआ है| **अमृतसर में रहने वाली सिख बीबी लाहौर को अपना वतन कहती है** और लाहौरी नमक का स्वाद नहीं भुला पाती| पाकिस्तान का कस्टम अधिकारी नमक की पुड़िया सफिया को वापस देते हुए कहता है "जामा मस्जिद की सीढ़ियों को मेरा सलाम कहना|" भारतीय सीमा पर तैनात कस्टम अधिकारी	3

	ढाका की जमीन को और वहाँ के पानी के स्वाद को नहीं भूल पाता|	
प्रश्न-14	निम्नलिखित प्रश्नों में से किंही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए ।	**4**
i	भक्तिन का वास्तविक नाम 'लछमिन' अर्थात लक्ष्मी था, लक्ष्मी का अर्थ है धन की देवीहै। चूँकि भक्तिन गरीब थी, उसके वास्तविक नाम के अर्थ और उसके जीवन के यथार्थ में विरोधाभास है|निर्धन भक्तिन सबको अपना असली नाम लक्ष्मी बताकर उपहास का पात्र नहीं बनना चाहती थी इसलिए वह अपना असली नाम छुपाती थी।	2
ii	जातिप्रथा को श्रम विभाजन का एक रूप न मानने के पीछे आंबेडकर आपत्ति प्रकट करते हुए कहते है कि जातिप्रथा श्रम विभाजन के साथ-साथ श्रमिक विभाजन का भी रूप लिए हुए है। इस प्रकार का श्रम विभाजन जातिप्रथा एवं ऊँच नीच को जन्म देता है। यह विभाजन मनुष्य को उसकी रूचि और क्षमता के अनुसार काम का अवसर नहीं देता। इस विभाजन के कारण मनुष्य जीवन भर एक पेशे में बंधकर रह जाता है।	2
iii	सूर्योदय होते ही लोग काँखते – काँखते कराहते अपने –अपने घरों से बाहर निकालकर अपने पड़ोसियों और आत्मीयों को ढाढ़स देते थे , परंतु सूर्यास्त होते ही लोग अपनी-अपनी झोपड़ियों में घुस जाते ,बोलने की भी शक्ति नहीं होती |	2